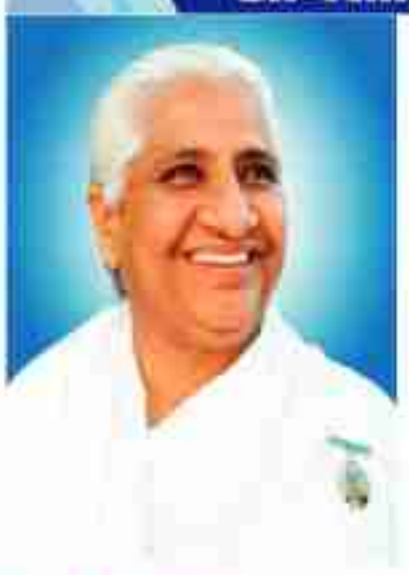

दादी प्रकाशमणि जी की 18वीं पुण्यतिथि

25 अगस्त विश्व बंधुत्व दिवस के रूप में मनाया

आबू रोड-शान्तिवन(राज.)। ब्रह्माकुमारीज की पूर्व मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी प्रकाशमणि की18वीं पुण्यतिथि देशभर में विश्व बंधुत्व दिवस के रूप में मनाई गई। मुख्यालय शान्तिवन में देशभर से पहुंचे पांच हज़ार से अधिक लोगों ने दादी को श्रद्धांजलि अर्पित कर उनकी शिक्षाओं को जीवन में अपनाने का संकल्प लिया। दादी की स्मृति में बने 'प्रकाश स्तंभ' को विशेष रूप से सजाया गया था। जहाँ सुबह 8 :15 बजे सबसे पहले मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी ब्र.कु. मोहिनी दीदी, अतिरिक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी ब्र.कु. मुन्नी दीदी, जगतगुरु जियर स्वामी करपात्री महाराज,अयोध्या एवं वरिष्ठ पदाधिकारियों ने दादी को श्रद्धांजली अर्पित की। बता दें कि 25 अगस्त 2007 को दादी प्रकाशमणि जी यह नश्वर देह त्याग कर अव्यक्त हो गई थीं। इसमें मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी ब्र.कु. मोहिनी दीदी ने कहा कि दादी ने सभी के सामने एक आदर्श प्रस्तुत किया। उनके हमेशा शब्द होते थे कि मैं तो निमित्त मात्र हूं। शिवबाबा ही यह ईश्वरीय विश्व विद्यालय को चला रहे हैं। दादी ने जीवनभर प्रेम, एकता और भाईचारे का संदेश दिया। दादी हमेशा कहती थीं कि प्रेम और एकता में वह शक्ति है जो बड़े से बड़े कार्य आसान हो जाते हैं। दादी का प्रेम ही था कि लोग सरहदों की दीवारों को भुलाकर एकता के सूत्र में बंधते गए। आपकी शिक्षाएं, योगी-तपस्वी जीवन, विश्व बंधुत्व की सोच आज भी लाखों लोगों का मार्गदर्शन करती है। अतिरिक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी ब्र.कु. मुन्नी दीदी ने कहा कि दादी का कहना और मेरा करना। मैंने कभी भी दादी को किसी सेवा के लिए ना नहीं कहा।

हमें एक-एक रुपये को सफल करना है

संयुक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी ब्र.कु. संतोष दीदी ने कहा कि दादी सदा सेवाओं में दिन-रात व्यस्त रहती थीं और भाई-बहनों को भी व्यस्त रखती थीं। दादी कहती थीं कि इस ईश्वरीय विश्व विद्यालय में आया एक-एक रुपया दान का है। इसलिए हमें एक-एक रुपये को सफल करना है। अतिरिक्त महासचिव ब्र.कु. करुणा ने कहा कि दादी के सानिध्य में वर्षों तक सेवाएं करने का सौभाग्य मिला। दादी में नम्रता का गुण अद्वितीय था। वह छोटे-बड़े सभी का बहुत ही सम्मान करती थीं।

दादी एक-एक बात को बड़े ही प्यार से सिखाती थीं-

अतिरिक्त महासचिव डॉ. ब्र.कु. मृत्युंजय ने कहा कि दादी के साथ मिलकर अनेक सेवाएं कीं। दादी एक-एक बात को बड़े ही प्यार से सिखाती थीं। वह यहाँ आने वाले मेहमानों का बहुत ध्यान रखती थीं। वरिष्ठ राजयोग प्रशिक्षक ब्र.कु. सूरज ने कहा कि दादी की प्यार भरी पालना, अपनापन का कमाल है कि दादी को देखकर हजारों कन्याएं, बेटियां ब्रह्माकुमारी बनती गईं। संचालन प्रयागराज की निदेशिका राजयोगिनी ब्र.कु. मनोरमा दीदी ने किया। ब्र.कु. डॉ. दामिनी एवं मधुरवाणी ग्रुप के ब्र.कु. सतीश व सहयोगी कलाकारों ने गीत प्रस्तुत किया।

ये भी रहे मौजूद- मौके पर अयोध्या के सेवानिवृत्त आई.पी.एस. केबी सिंह, संयुक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी ब्र.कु. शशि दीदी, राजयोगिनी ब्र.कु. शारदा दीदी, राजयोगिनी ब्र.कु. लीला दीदी, पंजाब ज़ोन निदेशिका राजयोगिनी ब्र.कु. प्रेम दीदी, अतिरिक्त महासचिव डॉ. प्रताप मिड्ढा, मीडिया विंग उपाध्यक्ष ब्र.कु. आत्मप्रकाश, डॉ. सतीश गुप्ता सहित लोग उपस्थित रहे।

भारत में ही दिखता पारिवारिक सम्बन्धों का सुंदर दृश्य: डॉ. वीरेन्द्र सिंह

भारत सरकार के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय के सचिव अमित यादव ने बताया कि इस अभियान की शुरुआत ब्रह्माकुमारीज संस्था एवं भारत सरकार के साथ हुए मेमोरेंडम ऑफ अंडरस्टैंडिंग(एम.ओ.यू.) के तहत हुई।

गुरुग्राम-ओआरसी(हरियाणा)। पारिवारिक सम्बन्धों का जो दृश्य भारत में देखने को मिलता है, वो अन्य किसी भी देश में नहीं है। उक्त विचार केन्द्रीय मंत्री डॉ. वीरेन्द्र सिंह,सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय,भारत सरकार ने व्यक्त किए। ब्रह्माकुमारीज संस्थान के समाजसेवा प्रभाग द्वारा ओमशान्ति रिट्रीट सेन्टर में 'संगम-गौरवपूर्ण वृद्धावस्था एवं सामाजिक जीवन अभियान' के शुभारम्भ के अवसर पर दादी प्रकाशमणि सभागार में आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि ब्रह्माकुमारीज संस्थान का भारत सरकार के साथ ये मात्र एक एमओयू नहीं बल्कि सामाजिक मूल्यों एवं संस्कारों की पहचान कराता है। ब्रह्माकुमारीज संस्थान एक विश्वव्यापी आध्यात्मिक संगठन है। जो इस प्रकार के अभियान को लोगों के बीच बेहतर ढंग से पहुंचा सकता है। ओमशान्ति रिट्रीट सेन्टर की निदेशिका राजयोगिनी ब्र.कु. आशा दीदी ने कहा कि दुनिया में केवल मात-पिता ही ऐसे है जो बच्चों की खुशी में खुश होते हैं। उन्हें चाहिए तो सिर्फ बच्चों का स्नेह और समय। उन्होंने सभी से प्रतिज्ञा कराई कि कोई भी अपने बुजुर्गों को वृद्धावस्था आश्रम नहीं भेजेंगे। संस्थान द्वारा अभियान के लिए एक गीत की लॉन्चिंग हुई। जिसे ब्र.कु. चांद ने स्वर प्रदान किए। कार्यक्रम में संस्थान के समाज सेवा प्रभाग अध्यक्ष राजयोगी ब्र.कु. प्रेम सिंह, ग्लोबल हॉस्पिटल माउंट आबू के वैज्ञानिक डॉ. रश्मिकांत आचार्य ने भी अपने विचार रखे। कार्यक्रम का संचालन ब्र.कु. उर्मिल एवं ब्र.कु. सुनैना ने किया।

दादी प्रकाशमणि की 18वीं पुण्यतिथि पर इंटरनेशनल हाफ मैराथन में दौड़े 2700 धावक

मनमोहिनी वन-आबू रोड(राज.)। 7वीं प्रकाशमणि दादी आबू इंटरनेशनल हाफ मैराथन में रविवार को 7 देशों के 2700 धावकों ने आबू रोड से माउंट आबू के लिए 21.9 किलोमीटर की दौड़ लगाई। मैराथन के नियत समय साढ़े तीन घंटे की अवधि में दो हज़ार धावक फिनिशिंग प्वाइंट तक पहुंचे। वहीं 700 धावक आधी दौड़ ही पूरी कर पाए। ब्रह्माकुमारीज की पूर्व मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी प्रकाशमणि की 18वीं पुण्यतिथि 25 अगस्त, विश्व बंधुत्व दिवस के उपलक्ष्य में इस मैराथन का आयोजन किया गया था। मैराथन को सुबह 6 बजे मनमोहिनी वन परिसर के गेट नंबर दो से जालोर-सिरोही सांसद लुम्बाराम चौधरी, पिंडवाड़ा विधायक समाराम गरासिया, रेवदर विधायक मोतीराम कोली और ब्रह्माकुमारीज के अतिरिक्त महासचिव राजयोगी ब्र.कु. करुणा व राजयोगी डॉ. ब्र.कु. मृत्युंजय ने शिव ध्वजा दिखाकर रवाना किया।

हर 500 मीटर पर तैनात रहे सुरक्षाकर्मी—

मैराथन को लेकर आबू रोड और माउंट आबू पुलिस बल ने पूरी मुस्तैदी के साथ सुरक्षा का जिम्मा संभाल रखा था। जिला प्रशासन के अधिकारी भी पूरे समय अलर्ट मोड पर रहे। लगभग हर 500 मीटर पर सुरक्षाकर्मियों की तैनाती की गई थी। साथ ही रिफ्रेशमेंट प्वाइंट पर भी पुलिसकर्मी मौजूद रहे। चौपालेरी से सुरक्षा का जिम्मा सी.आर.पी.एफ. के जवानों ने संभाल लिया था। यहाँ से माउंट आबू तक सी.आर.पी.एफ. के 28 जवान रनिंग प्वाइंट पर तैनात रहे।

कई देशों से भाग लेने पहुंचे धावक—

मैराथन में सबसे खास बात 18 वर्ष के युवाओं से लेकर 72 वर्ष के बुजुर्गों ने भाग लिया। इसमें भारत के सभी राज्यों सहित खासतौर से साउथ अफ्रीका, ब्रिटेन, केनिया, दुबई, इथोपिया के रनर्स ने भाग लिया। कुछ धावक प्रोफेशनल्स थे तो कुछ शौकिया तौर पर स्वस्थ रहने के लिए दौड़ते हैं। इसमें लड़कियों और महिलाओं ने भी बड़े उत्साह के साथ भाग लिया। कुछ रनर्स ने शनिवार को ही आबू रोड से माउंट आबू तक दौड़ लगाकर अभ्यास किया, ताकि मुख्य दौड़ में कम समय में पहुंचकर विजेता बन सकें। ओमशान्ति भवन,माउंट आबू में दौड़ पूरी होने के बाद समापन समारोह आयोजित किया गया। जहाँ विजेताओं को पुरस्कार राशि, मेडल और प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

शुभारम्भ पर इन्होंने रखे अपने विचार—

- जालोर-सिरोही सांसद लुम्बाराम चौधरी ने कहा कि विश्व बंधुत्व का संदेश लेकर आयोजित की गई यह हाफ मैराथन ब्रह्माकुमारीज का सराहनीय कदम है।
- पिंडवाड़ा विधायक समाराम गरासिया ने कहा कि गर्व की बात है हमारे आबू रोड में हर साल होने वाली हाफ मैराथन में देश-विदेश से धावक भाग लेने पहुंचते हैं।
- रेवदर विधायक मोतीराम कोली ने कहा कि स्वस्थ रहने के लिए योग, प्राणायाम और दौड़ ज़रूरी है।
- एशियन मैराथन चैंपियन सुनीता गोदरा ने कहा कि दौड़ के लिए उमंग-उत्साह के साथ जुनून होना ज़रूरी है। बिना जुनून के दौड़ में जीतना सम्भव नहीं है। जो लक्ष्य बनाएं उसे पाने कि लिए जी-जान लगा दें।

इस मौके पर आबू रोड तहसीलदार पन्नालाल चौधरी, सदर थाना सर्किल इंस्पेक्टर दर्शन सिंह, ब्र.कु. जगदीश, ब्र.कु. देव सहित अन्य ब्रह्माकुमारीज भाई-बहनों की उपस्थिति रही। संचालन ब्र.कु. चंदा ने किया। मेडिकल प्रभाग के सचिव डॉ. बनारसी लाल शाह ने सभी युवाओं को नशामुक्ति का संकल्प कराया।

विजेताओं को दिए गए पुरस्कार राशि के चेक—

को-ऑर्डिनेटर ब्र.कु. सचिन ने बताया कि मैराथन में प्रथम स्थान पर आने वाले विजेता को पुरस्कार के रूप में 71 हजार रुपये, द्वितीय विजेता को 61 हजार रुपये और तृतीय स्थान पर आने वाले विजेता को 51 हजार रुपये की राशि चेक द्वारा पुरस्कार के रूप में दी गई। इसके अलावा निर्धारित समय में दौड़ पूरी करने वाले और सभी धावकों को मेडल और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

मैराथन में ये रहे विजेता—

प्रथम स्थान पर जोधपुर के 24 वर्षीय युवक देवाराम रहे, जिन्होंने 1 घंटा 19 मिनट 40 सेकंड में दौड़ पूरी की। वहीं द्वितीय स्थान पर गुजरात के अनिल बमणिया रहे जिन्होंने 1 घंटा 21 मिनट 44 सेकंड में दौड़ पूरी की। तीसरे स्थान पर जैसलमेर के मुकेश कुमार रहे जो 1 घंटा 22 मिनट 17 सेकंड में फिनिशिंग प्वाइंट पर पहुंचे। चौथे स्थान पर पवन तमाड़िया और पांचवें स्थान पर सुनील कुमार कठोडिया रहे।